नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

भाषा, ज्ञान और संस्कृति के स्तरों पर आगे बढ़ रहा है विश्वविद्यालय

हिंदी विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल का विश्वास

वर्धा, दि. 28 दिसंबर 2019 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय रविवार, 29 दिसंबर को अपना 23वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और हिंदी के विकास पर पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि

विश्वविद्यालय ने हिंदी को तकनीकी के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किये हैं। विश्वविद्यालय ने हिंदी भाषा से संबंधित सॉफ्टवेयरों का विकास किया है जिनमें हिंदी मराठी परिवर्तक, वर्तनी सुधार और टंकण संबंधी टूल्स शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी समयडॉटकॉम विश्वविद्यालय की महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसमें पांच लाख से अधिक पृष्ठों की हिंदी के प्रमुख साहित्यकारों की रचनाओं की सामग्री अपलोड की गयी है और वह दुनिया भर के पाठकों के लिए नि:शुल्क उपलब्ध है। अनुवाद के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के बढ़ते कदमों को लेकर उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित और प्रामाणिक अनुवादकों के निर्माण के लिए विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम चला रहा है। अनुवाद के क्षेत्र में यहां के विद्यार्थी देशभर कार्यरत हैं।

हिंदी भाषा के अध्ययन की दिशा में विश्वविद्यालय अग्रसर है और दुनिया के अनेक विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षिक अनुबंध हुए हैं। सूरीनाम,इथियोपिया और इरान जैसे देशों के साथ भी विश्वविद्यालय संलग्न हो रहा है। इथियोपिया में हिंदी प्रशिक्षण का केंद्र प्रारंभ करने की योजना है वहीं राजनैतिक,सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इरान देश के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हिंदी के वैश्विक परिदृश्य की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदी के प्रति देश और समाज का विश्वास बना हुआ है और इसी को लेकर विश्वविद्यालय में संचार माध्यम और प्रदर्शनकारी कलाओं में ज्ञान और कौशल में संतुलन बनाकर पढ़ते हुए सीखने के लिए विद्यार्थियों को तैयार किया जा रहा है। यह विश्वविद्यालय गांधी जी के नाम पर स्थापित होने से गांधी विचारों पर शिक्षा और समाज कैसे बने इसकी एक अहम जिम्मेदारी विश्वविद्यालय

पर है। विदर्भ क्षेत्र की सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए विश्वविद्यालय आसपास के दस गावों के साथ जुड़ा हुआ है और इस दिशा में वर्धा स्कूल ऑफ सोशल वर्क की स्थापना को लेकर विश्वविद्यालय काम कर रहा है। उन्होंने महात्मा गांधी के वर्धा आगमन और निवास की चर्चा करते हुए कहा कि गांधी विचार और सिद्धांतों को लेकर वास्तविक सेवा धर्म के आधार पर समाज कार्य और अन्य विभागों के माध्यम से प्रयोग किए

जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रगत ग्राम के बगरै श्रेष्ठ भारत नहीं बन सकता, इस संबंध में आर्थिक क्षमताओं का विकास और स्वावलंबी ग्राम बनाने की दिशा में कार्य आरंभ हो चुके हैं। हिंदी के भविष्य को लेकर उनका कहना है कि दुनिया में हिंदी बोली, समझी और जानने वालों की संख्या 125 करोड़ से भी अधिक है। दुनिया के 25 देशों में हिंदी बोलने, समझने और जानने वाले लोग हैं। सार्क देशों में भी हिंदी की अच्छी उपस्थिति है। हिंदी दुनिया के 10 देशों की पहली या दूसरी तथा अन्य 10 देशों की तीसरी भाषा है। हिंदी 25 से अधिक देशों के जन-व्यवहार की भाषा है। उन्होंने कहा कि सौ करोड़ हिंदी जानने-समझने वाले भारत में 30 वर्ष तक का शिक्षित युवा हिंदी जानता है। इस अनुकूल वातावरण का लाभ उठाते हुए हमें हिंदी के विकास के लिए तकनीकी जरूरतों को पूरा करना है। इस दृष्टि से अनुवाद को स्रोत भाषा के रूप में हिंदी का विकास करना है और वैश्विक स्तर पर संजाल खड़ा करना है। ऐसा संजाल बनाया जाएगा जिसके माध्यम से साहित्य और रचनाओं को वैश्विक रूप प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में संतोषजनक वातावरण है और शिक्षा के साथ-साथ छात्रों को शारीरिक और सांस्कृतिक विकास के लिए पर्याप्त सुविधाएं और अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। हम भाषा, ज्ञान और संस्कृति इन तीन स्तरों पर नवोन्मेषकारी गतिविधियों के माध्यम से आगे बढ़ रहे हैं। 29 दिसंबर को विश्वविद्यालय अपना 23वाँ स्थापना दिवस मना रहा है। इस उपलक्ष्य में प्रात: 9.00 बजे प्रथमा भवन में ध्वजारोहण एवं अभिनवगुप्त संकुल नामपट्टिका का अनावरण किया जाएगा। गालिब सभागार में 11.00 बजे कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में 'महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की समकालीन भूमिका' विषय पर स्थापना दिवस व्याख्यान होगा। सायं 4.00 बजे अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के प्रांगण में पुरस्कार वितरण तथा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया है।